वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 253 | बुधवार 10 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सीए फाइनल में जयपुर के मधुर ने किया इंडिया टॉप

थर्ड रैंक लाने वाले ऋषि बोले कोरोना में पिता-दादी दुनिया से चले गए, तैयारी पूरी तरह बिगड़ गई

जयपुर. कासं। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी फाइनल और इंटरमीडिएट 2023 का रिजल्ट जारी कर दिया है। फाइनल में जयपुर के मधुर जैन ने ऑल इंडिया पहली रैंक हासिल की है। उन्होंने 800 में से 619 अंक हासिल किए हैं। वहीं, टिकेंद्र कुमार सिंघल और ऋषि मल्होत्रा ने 590 अंक हासिल कर थर्ड रैंक हासिल की। विनय मंगतानी ने 24वीं, मानसी गुप्ता ने 32वीं और तुषार जैन ने 45वीं रैंक हासिल की है। इसी तरह सीए इंटरमीडिएट में जयपुर के ऋषभ बंसल ने ऑल ओवर इंडिया सातवीं, जयंत भाटिया ने 34वीं, तनीषा काबरा ने 35वीं, केशव शर्मा ने 38वीं, अरनव अग्रवाल ने 45वीं और ईशा अग्रवाल ने 48वीं रैंक हासिल की है।

राजस्थान की महिला को 5 साल बाद मिला अर्जुन अवॉर्ड

राजस्थान की महिला को 5 साल बाद मिला अर्जुन अवॉर्ड: अवॉर्ड को पाने वाली पहली महिला घुड़सवार बनीं, बोलीं- मेरे साथियों, घोड़ों के लिए बेहद गर्व का क्षण

जयपुर. कासं। महिला घुड़सवार दिव्यकृति सिंह को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। वे देश के सबसे प्रतिष्ठित खेल पुरस्कारों में से एक अर्जुन अवॉर्ड को पाने वाली पहली महिला घुड़सवार बन गई हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में दिव्यकृति सिंह को अर्जुन अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया। दिव्यकृति पिछले पांच वर्षों में अर्जुन अवॉर्ड पाने वाली राजस्थान की एकमात्र महिला हैं। यह घोषणा न केवल दिव्यकृति के लिए बल्कि उनके गृह राज्य राजस्थान के लिए भी गर्व का क्षण है, क्योंकि वह वर्तमान वर्ष में अर्जुन अवॉर्ड प्राप्त करने वाली क्षेत्र की एकमात्र प्रतिनिधि हैं। इक्वेस्ट्रियन में एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं। अवॉर्ड हासिल करने के बाद दिव्यकृति ने कहा ने कहा- हमारी माननीय राष्ट्रपति से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त करना इक्वेस्ट्रियन खेल और मेरे साथियों, घोड़ों के लिए बेहद गर्व का क्षण है। यह एक सुखद अनुभव है। इसके लिए मैं अपने परिवार और अपने घोड़ों के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। जिनके सहयोग से आज मुझे यह उपलब्धि हासिल करने में मदद मिली। द पैलेस स्कूल, जयपुर और अजमेर में मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल की पूर्व छात्रा दिव्यकृति पिछले तीन वर्षों से जर्मनी में हेगन के प्रसिद्ध हॉफ कैसलमैन ड्रेसाज यार्ड में प्रशिक्षण ले रही हैं।

राजस्थान में 4 घंटे पतंगबाजी पर रोक:चाइनीज, मेटल और ग्लास से बने मांझे पर बैन; स्टोरेज करने तक पूरी तरह पाबंदी

जयपुर. कासं

राजस्थान में मकर संक्रांति और दूसरे मौकों पर सुबह और शाम 4 घंटे पतंगबाजी पर रोक रहेगी। पतंगबाज सुबह 6 बजे से 8 बजे और शाम को 5 से 7 बजे तक पतंगबाजी नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा पतंगबाजी में चाइनीज मांझा, प्लास्टिक, सिंथेटिक मांझा और जहरीले मेटल से बने मांझे पर पूरी तरह रोक रहेगी। गृह विभाग ने इसके लिए सभी कलेक्टरों को एडवाइजरी जारी की है। गृह विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को सुबह शाम पतंगबाजी पर रोक लगाने और चाइनीज, प्लास्टिक और मेटल से बने मांझे पर रोक लगाने को कहा है। इसके लिए धारा 144 के प्रावधानों के तहत सुबह शाम पतंगबाजी पर प्रतिबंध लगाने को कहा है। चाइनीज मांझे और प्लास्टिक या मेटल से बने मांझे को बनाने, बेचने से लेकर स्टोरेज करने तक पूरी तरह पाबंदी है।

हाईकोर्ट ने 2012 में दिए थे आदेश, उसके बाद हर साल एडवाइजरी

हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुबह-शाम पतंगबाजी पर रोक लगाने के साथ चाइनीज मांझे पर रोक के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट के आदेशों की पालना में पर्यावरण विभाग ने भी 2012 में आदेश जारी कर चाइनीज, सिंथेटिक मांझे और मेटल से बने मांझे पर रोक लगाई थी। हाईकोर्ट के

आदेशों के बाद हर साल गृह विभाग एडवाइजरी जारी करता है। मकर संक्रांति के मौके पर प्रदेश भर में पतंगबाजी होती है। चाइनीज मांझे के इस्तेमाल से पक्षियों के अलावा बाइक सवारों के जीवन को भी कई बार गंभीर खतरा होता है। चाइनीज मांझे से गर्दन कटने से कई बाइक सवारों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में पक्षी भी घायल होते हैं।

जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा आयोजित मिटिंग मे सेंट्रल GST एवं उत्पाद शुल्क पर चर्चा

जयपुर। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि आज राजस्थान चैम्बर भवन एम आई रोड पर जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा आयोजित मिटिंग मे सेंट्रल GST एवं उत्पाद शुल्क जयपुर ज़ोन के मुख्य आयुक्त महेन्द्र रंगा ने उद्योग एवं व्यापार जगत को आश्वस्त किया कि विभाग द्वारा उन्हें किसी भी तरह की अनावश्यक परेशानी नहीं आएगी एवं व्यापारी GST में अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करवाए वह कारोबार में कच्चा हटाए व पक्के को अपनाएं अर्थात कारोबार बिल से ही करें । बिल से कारोबार करने में उन्हें सभी तरह के फ़ायदे रहेंगे वह अनावश्यक परेशानी से बच सकेंगे। सेंट्रल GST एवं उत्पाद शुल्क जयपुर के प्रिंसिपल कमिश्नर चेतन कुमार जैन ने विश्वास दिलाया कि व्यापारियों के लिए GST विभाग के दरवाज़े सदैव खुले हुए हैं वह अपने समस्या के निदान हेतु कभी भी GST विभाग के कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं उन्हें पूर्णतया संतुष्टि मिलेगी।व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों ने GST की विसंगतियों के संबंध में अपना पक्ष रखा है जिसे अधिकारियों ने GST काउंसिल तक पहुँचाने का भरोसा दिया।मीटिंग के प्रारंभ में भी जयपुर व्यापार महासंघ की तरफ़ से व्यापार महासंघ के अध्यक्ष व राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के सदस्य सुभाष गोयल जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री सुरेन्द्र बज कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी व उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता ने जी एस टी मुख्य आयुक्त महेन्द्र रंगा व जयपुर के प्रिंसिपल कमिश्नर चेतन कुमार जैन के सामने व्यापारियों की जी एस टी संबंधी समस्याओं को रखा ।राजस्थान चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स के मानद अध्यक्ष के एल जैन सीनियर उपाध्यक्ष आर एस जैमिनि महासचिव अरुण अग्रवाल ने चैम्बर की तरफ़ से मुख्य आयुक्त वह जयपुर के प्रिंसिपल कमिश्नर का स्वागत किया।

तेजाजी धाम रामपुरा मंदिर पर श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाने का न्योता

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। लोहरवाडा कस्बे में सोमवार को श्री तेजाजी धाम रामपुरा मंदिर पर भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाने को लेकर कस्बे के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर पहुंच कर ग्रामीणों को पीले अक्षत व पत्रिका वितरित की गई। वहीं गादीपति रतनलाल महाराज ने बताया कि भगवान श्रीराम की झांकी बनाकर कस्बे में भ्रमण कर विधिवत पूजा अर्चना कर अयोध्या में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के समय ही रामपुरा तेजाजी धाम पर महाआरती कर श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगो वही बताया कि कस्बे के सभी घरों में दीपावली की तरह दीपक जलाकर सजावट की जाएगी इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता भगवान वैष्णव, किशन शर्मा, विष्णु शर्मा, तेजाजी धाम के पुजारी रतन व घनश्याम वैष्णव, घीसालाल शर्मा, मुरली शर्मा, नंदलाल व रामदेव प्रजापति, लालाराम भील, हरलाल जसवंतपुरा, शिवराज मेघवंशी, पुखराज मेघवंशी, बाबुलाल शर्मा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

विद्याधर नगर में श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ का समापन

प्रभु भक्ति में सदैव लीन रहते थे सुदामा : आचार्यश्री मृदुल कृष्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया

भागवत मिशन परिवार के बैनर तले गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा,जयपुर परिवार के 25वें वार्षिकोत्सव पर विद्याधर नगर सेक्टर-7 अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे स्थित मैदान पर चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के अंतिम दिन मंगलवार फूल होली महोत्सव विशेष धूमधाम से मनाया गया।इस मौके पर परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज ने होली खेल रहे बांके बिहारी... बांके बिहारी को देख छटा मेरे मन है गयो लटा-पटा... आदि भजनों को बड़े ही भाव के साथ गुनगुनाया गया, नाचे। ,इस दौरान कार्यक्रम स्थल श्री राधा कृष्ण के रंग में और भक्ति और आस्था के रंग में डूबे नजर आया। इस अवसर पर भागवत कथा में परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज ने कहा कि जीवन में कितना भी धन ऐश्वर्य की सम्पन्नता हो लेकिन यदि मन में शान्ति नहीं है तो वह व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं रह सकता। वहीं जिसके पास धन की कमी भले ही हों सुख सुविधाओं की कमी हो परन्तु उसका मन यदि शान्त है तो वह व्यक्ति वास्तव में परम सुखी है। यह हमेशा मानसिक

असंतुलन से दूर रहेगा। कथा प्रसंग मे परम भक्त सुदामा चरित्र पर प्रकाश डालते हुए परम श्रद्धेय आचार्य मृदुल कृष्ण महाराज ने कहा कि श्रीसुदामा जी के जीवन में धन की कमी थी, निर्धनता थी लेकिन वह स्वयं शान्त ही नहीं परम शान्त थे,इसलिए सुदामा जी हमेशा सुखी जीवन जी रहे थे,क्योंकि उनके पास प्रभुनाम रूपी धन था। धन की तो उनके जीवन में न्यूनता थी परन्तु नाम धन की पूर्णता थी। हमेशा भाव से ओत प्रोत होकर प्रभु नाम में लीन रहते थे। उनके घर में वस्त्र आभूषण तो दूर अन्न का एक कण भी नहीं था। जिसे लेकर वो प्रभु श्री द्वारिकाधीश के पास जा सकें,परन्तु सुदामा जी की धर्म पत्नी सुशीला के मन में इच्छा थी, मन में बहुत बड़ी भावना थी कि हमारे पति भगवान श्री द्वारिकाधीश जी के पास खाली हाथ न जाए। सुशीला जी चार घर गई और चार मुट्ठी चावल मांगकर लाई और वही चार मुट्ठी चावल को लेकर श्री सुदामा जी प्रभु श्री द्वारिका धीश जी के पास गए। और प्रभु ने उन चावलों का भोग बड़े ही भाव के साथ लगाया। उन भाव भक्ति चावलों का भोग लगाकर प्रभु ने यही कहा कि हमारा भक्त हमें भाव से पत्र पुष्प, फल अथवा जल ही अर्पण करता है, तो में उसे बड़े ही आदर के साथ स्वीकार करता हूँ। प्रभु ने चावल ग्रहण कर श्री सुदामा जी को अपार सम्पत्ति प्रदान कर दी। आर्चाय श्री ने इस पावन सुदामा प्रसंग पर सार तत्व बताते हुए समझाया कि व्यक्ति अपना मूल्य समझे और विश्वास करे कि हम संसार के सबसे महत्व पूर्ण व्यक्ति है,तो वह हमेशा कार्यशील बना रहेगा। क्योंकि समाज में सम्मान अमीरी से नहीं ईमानदारी और सज्जनता से प्राप्त होता है।

आज होगी गौ माता पूजन

गिर्राज संघ परिवार के अध्यक्ष मदन सोमानी ने बताया कि बुधवार को सुबह 10 बजे परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज अजमेर-दिल्ली हाइवे स्थित श्री राधा-रानी गौशाला बिलोची जाएंगे जहां वे गाय की पूजा-अर्चना कर चारा खिलाएंगे। इस मौके पर भंडारा प्रसादी का भी आयोजन होगा।

जूनियर नेशनल हैंडबॉल का हुआ उद्घाटन

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी । कस्बे में आयोजित हो रही हैंडबाल की 46 वी जूनियर राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन हुआ जिस के मुख्य अतिथि श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष सुधांशू कासलीवाल व करौली की पूर्व विधायक रोहिणी कुमारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की । आयोजन सचिव यशप्रताप सिंह ने बताया की श्री महावीर जी मे आयोजित 46 वी जूनियर नेशनल हैंडबॉल प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन हुआ। जिसमें कुल 26 टीमें हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता के सुबह से ही लीग मैचों का शुभारंभ हुआ कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र अपराहन 3:00 बजे आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में भारतीय हैंडबाल संघ के कोषाध्यक्ष डॉ तेजराज सिंह, करौली हैंडबॉल संघ के संरक्षक सन्तराम मीना राजस्थान हैंडबॉल संघ के सेक्रेटरी यश प्रताप सिंह ने संबोधित किया, 46वीं जूनियर राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में पधारे सभी मेहमानों का गाजे बाजे के साथ स्वागत किया गया । सर्वप्रथम जैन मंदिर में भगवान महावीर के दर्शन उपरांत देवनारायण मंदिर पहुंचे जहां प्रबंध कारिणी कमेटी ने सभी का स्वागत किया । माँ भारती के छायाचित्र पर दीपप्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय हैंडबाल संघ के कोषाध्यक्ष डॉ तेजराज सिंह ने कहा कि श्री महावीरजी में 46 वी जूनियर नेशनल प्रतियोगिता का होना सौभाग्य का विषय है क्षेत्र के खिलाड़ियों में प्रतियोगिता के आयोजन से रुचि बढ़ेगी आगामी समय श्रीमहावीरजी में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन की उम्मीद के साथ इनडोर स्टेडियम की मांग रखी जिससे स्थानीय क्षेत्र में खेलों के प्रति और बेहतर अवसर मिल सकेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष सुधांशू कासलीवाल ने क्षेत्र में खेलकूद प्रतियोगिताओं के विकास के लिए पूर्ण समर्थन की घोषणा के साथ इनडोर स्टेडियम की मांग का समर्थन कर सरकार से पैरवी करने की घोषणा की। पूर्व विधायक रोहिणी कुमारी में कहा कि ऐसे राष्ट्रीय आयोजन से क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता मिलेंगी। खिलाड़ियों की मांग पर वर्तमान सरकार से क्षेत्र मे खेलकूद की सुविधाओं के विस्तार का आश्वासन दिया करौली जिले में खेलों के विकास के लिए हमेशा प्रयास रहे हैं। हिण्डौन विधायक अनिता जाटव ने खेल मैदान में 15 लाख विकास कार्यों की घोषणा की। करौली विधायक प्रतिनिधि विश्वेन्द्र सिंह ने खेलों के क्षेत्र में विकास की संभावनाओं का काम करेंगे। इस मौके पर प्रबंध समिति संयुक्त मंत्री पीके जैन सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ट्रांसयमुना कॉलोनी जैन मदिर में हुआ निर्यातक मुनिपुंगवश्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ का मंगल आगमन

आगरा. शाबाश इंडिया

जनवरी की कड़ाके सर्दी जहां लोग घर में हीटर चला रजाईयों में दुबके हुए हैं वहीं दिगम्बर चर्या का परचम फहराते हुए निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ का आगरा से मंगल विहार कुरावली मैनपुरी के लिए हो चुका है मंगल विहार के इस क्रम में ही मुनिवर का मंगल प्रवेश 9 जनवरी की सुबह पीएनसी इन्फ्राटेक लिमिटेड कार्यालय में हुआ। गणिनी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी ससंघ भी मुनिवर ससंघ के साथ उपस्थित रहीं। निर्यापक मुनिपुंगवश्री ससंघ एवं गणिनी आर्यिका संघ की अगवानी के लिए पीएनसी परिवार सहित विहार में सहभागिता करने वाले सभी गुरुभक्त अत्यंत उत्सुक दिखे। पीएनसी इन्फ्राटेक लिमिटेड के के चेयरमैन प्रदीप जैन और पूर्व महापौर नवीन जैन और समस्त पीएनसी परिवार के सदस्य गुरुवर का विहार करवाते हुए कार्यालय तक लाए। मुनिवर का पादप्रक्षालन कर कार्यालय में पदार्पण किया। गुरुवर के स्वागत के साथ समस्त पीएनसी परिवार ने निर्यापक मुनिपुंगवश्री के समक्ष श्रीफल अर्पित किए पूरा परिवार मुनिवर और गणिनी आर्यिकाश्री का सानिध्य पाकर अति हर्षित थो पीएनसी इन्फ्राटेक लिमिटेड कार्यालय में हुए पदार्पण के बाद मुनिवर की धर्मसभा में सहभागिता करने का अवसर पूरे पीएनसी परिवार और अन्य गुरूभक्तों को मिला। इसके बाद मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज एवं गणिनी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी ससंघ ने पीएनसी इन्फ्राटेक लिमिटेड कार्यालय से मंगल विहार करते हुए भगवान टॉकीज चौराहा, कमला नगर, रामबाग चौराहा, होते हुए श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रांसयमुना कॉलोनी की पावन धरा पर पहुंचे जहां बड़ी संख्या में ट्रांसयमुना सकल जैन समाज के लोगों ने मुनिसंघ का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की मुनिसंघ के मंदिर पहुंचने पर मूलनायक भगवान चंद्रप्रभु के दर्शन किए। इस दौरान ट्रांसयमुना सकल जैन समाज ने मुनिपुंगवश्री के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में जयपुर में 16 तारीख को स्वामीनारायण मंदिर में ''भव्य भजन संध्या''

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का होगा सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में जयपुर में 16 तारीख को स्वामीनारायण मंदिर में ''भव्य भजन संध्या'' का आयोजन होगा। कार्यक्रम के आयोजक राजीव खंडेलवाल आइडिया माइन फॉर बीजेपी, जितेंद्र अग्रवाल (सिद्धि राज ग्रुप) एवं नवीन भंडारी ने बताया कि आज राजस्थान प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को स्वामीनारायण मंदिर में मुख्य अतिथि के रूप में आगमन हेतु निमंत्रण पत्र सोपा गया। समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का भव्य स्वागत वैदिक रीति से होगा। इतना ही नहीं... ''विकसित भारत संकल्प'' दर्शन गैलरी भी जनता को देखने को मिलेगी साथ ही साथ प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा सपना स्वावलंबी गाय माता अभियान की प्रदर्शनी का आयोजन भी मंदिर प्रांगण में होगा । साथ ही साथ महा पोस बड़ा प्रसादी का भी बड़ा आयोजन ''सर्व समाज हेतु'' मंदिर प्रांगण में करा जाएगा।

वेद ज्ञान

अपेक्षा या उपेक्षा में है सारा सुख या दु:ख

संसार को जब भी हम अपेक्षा की दृष्टि से देखते हैं तो संग पैदा होता है। जैसे ही उपेक्षा की दृष्टि से देखते हैं तो संग की भावना समाप्त हो जाती है। आसक्ति हटती है, अटैचमेंट टूटता है। इसलिए मैं कहता हूं कि कभी भी किसी की तरफ अपेक्षा की दृष्टि से मत देखना, बल्कि उपेक्षा की दृष्टि से देखना। कोई भी चीज जो मोह रही हो, उससे अटैच मत होईये। रास्ते में चलते हुए आपको अगर बाजार में कोई चीज दिखे, बिकने को तैयार खड़ी गाड़ी दिखे, ज्वैलरी शाप में सजे हुए जेवर दिखें, या किसी दुकान में सुन्दर वस्त्रों पर आपने नजर डाली। अगर वहां आपकी उपेक्षा वाली दृष्टि है तो आपका ध्यान सिर्फ देखने में हुआ और आगे चल पड़े। आपका मन उन चीजों से जुड़ा नहीं। लेकिन, यदि अपेक्षा की दृष्टि से देखा और सोचा कि अच्छा! इतनी अच्छी चीज यहां मिलती है! मंहगी होगी! हो सकता है ठीक दाम से भी मिल जाए! आपने सोचा, सत्संग में जाएंगे, उसके बाद वापिस आते हुए एक बार तो जरूर दुकान में बात करके जाएंगे। जब सत्संग में आकर के बैठे तो ध्यान उसी साड़ी पर, जेवर पर, वस्त्र पर या कार पर होगा। अपेक्षा से देखा न आपने, तो कहीं भी जाओ! कहीं भी बैठो! ध्यान बार-बार उसी पर रहेगा। जरा एक बार देख तो लूं। इतनी अच्छी गाड़ी, इतना अच्छा माडल अगर मेरे पास हो तो कितना अच्छा हो। अब यहां उस वस्तु से आपका संग जुड़ गया। रास्ते में चलते हुए अगर आप कहीं कूड़ा कचरा देखते हैं तो उसे आप कभी अपेक्षा की दृष्टि से नहीं देखते, वरन उपेक्षा की दृष्टि से देखते हैं। इसलिए कभी वह गन्दगी आपके मन में याद नहीं रहती। याद वही चीज रहेगी, जिससे आपको आसक्ति हो गई। वह भी चीज या बात याद रहती है, जिसके बारे में आपके भीतर घृणा जाग गई हो। ये दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जिससे घृणा है, जिससे बैर है वो भी हर समय याद आयेगा और जिसके प्रति आपकी बड़ी आसक्ति है, वह चीज भी आपको हर समय याद आएगी। उठते-बैठते, चलते-फिरते हर समय आप उसे याद करेंगे। यदि आप अपनी दृष्टि को सम्यक बना लेंगे और ना काहू से दोस्ती न काहू से बैर की नीति को अंगीकार कर लेंगे तो फिर कोई याद आने वाला नहीं।

संपादकीय

आदित्य एल1 की कामयाबी सुखद और स्वागत योग्य

भारतीय अंतरिक्ष यान आदित्य एल1 को हासिल ऐतिहासिक कामयाबी सुखद और स्वागत योग्य है। अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की एक और यादगार कामयाबी ने देश को गर्व का अच्छा अवसर दिया है और इससे देश में युवाओं के बीच विज्ञान के प्रति लगाव में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को स्वाभाविक ही वैज्ञानिकों को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए बधाई दी है। भारत का सौर अभियान बिल्कुल योजना और समय के अनुरूप चल रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष आधारित भारतीय वेधशाला, आदित्य एल1 को अपनी गंतव्य कक्षा लेगरेंज प्वॉइंट, यानी एल पी-1 में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। सूर्य के करीब अंतरिक्ष में स्थित इस विशेष जगह की सूर्य से दूरी करीब 15 लाख किलोमीटर रह गई है। इसके आगे यान को कक्षा में स्थापित करने से उसे नुकसान पहुंच सकता है और एल पी-1 कक्षा को यान के लिए सुरक्षित माना जा रहा है। जिस जगह यह यान स्थापित है, वहां से सूर्य लगातार नजर आएगा और दिन-रात का क्रम वहां बाधक नहीं बनेगा। चूंकि यह यान स्वयं अध्ययन में सक्षम है, इसलिए इसे वेधशाला भी कहा जा रहा है, जहां से अंतरिक्ष की गतिविधियों पर निगाह रहेगी। सूर्य के आस-पास होने वाले परिवर्तनों की पड़ताल हो सकेगी। सूर्य के आस-पास के वायुमंडल का अध्ययन बहुत जरूरी है और इसके लिए अभी तक अमेरिका ही ज्यादा सक्षम रहा है। इस वेधशाला आदित्य एल1 के प्रक्षेपण में सक्षम होने से भारत अंतरग्रहीय अध्ययन या अभियान में भी कामयाबी की दिशा में बढ़ चला है। इस अभियान से इसरो के आत्म-विश्वास में बहुत वृद्धि होगी। इसरो इस यान को धीरे-धीरे पूरी तरह से सक्रिय करेगा। आदित्य-एल1 में सात पेलोड शामिल हैं, जिनको अलग-अलग तरह के कार्यों को अंजाम देना है। इस यान से सबसे बड़ी मदद चित्र और परिवेश के अध्ययन के मोर्चे पर मिलने वाली है। विशेष रूप से सूर्य की बाहरी परत का अध्ययन आसानी से हो सकेगा। सूर्य की इस परत को कोरोना भी कहा जाता है। सौर कोरोना की भौतिकी और इसकी गरम होने की प्रक्रियाओं को गहराई से जानना, उसके तापमान में होने वाले बदलावों को परखना, उसके वेग और घनत्व का विश्लेषण करना प्रमुखता से संभव हो सकेगा। वैज्ञानिक आश्वस्त हैं कि इसरो यान में लगे सभी उपकरणों को सक्रिय कर देगा। यह बहुत महत्पूर्ण बात है कि भारत अंतरिक्ष विज्ञान में ऐसे चुनिंदा देशों में शामिल है, जो अंतरिक्ष में एक यान या उपकरण को दूसरे यान या उपकरण से अलग करने और किसी भी कक्षा में स्थापित करने या यान को लौटाने में सक्षम हो गया है। चंद्रयान-3 के समय भी भारत ने ऐसा सफलतापूर्वक किया था। चंद्रयान-1 के समय भी यान को अंतरिक्ष में भेजना, यान से किसी यान का अलग करना और यान को वापस पृथ्वी की कक्षा में लाना मुमकिन हुआ था। -राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सूरज पर नजर

उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित करना अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती होती है। उपग्रह के रास्ता भटक जाने, नियंत्रण कक्ष से संपर्क टूट जाने या बीच में ही नष्ट हो जाने का खतरा बना रहता है। इस दृष्टि से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की यह बड़ी कामयाबी है कि उसके वैज्ञानिकों ने आदित्य एल-1 को निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया। इसे सितंबर के शुरू में प्रक्षेपित किया गया था और अब वह पृथ्वी से करीब पंद्रह लाख किलोमीटर स्थित तय बिंदु लैग्रेंज प्वाइंट-1 पर पहुंच चुका है। इस बिंदु पर गुरुत्वाकर्षण शून्य होता है। वहां से सूर्य के त्रिआयामी चित्र मिलते हैं। इस तरह आदित्य एल-1 वहां स्थिर रह कर निरंतर सूरज का अध्ययन कर सकेगा। इससे पहले इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान तृतीय को सुरक्षित उतार कर अपने कौशल का परिचय दिया था। आदित्य एल-1 भारत का पहला उपग्रह है, जो सूर्य की गतिविधियों का अध्ययन करने के उद्देश्य से भेजा गया है। हालांकि सूर्य का अध्ययन करने का यह पहला प्रयास नहीं है। अमेरिका, जर्मनी, जापान आदि देश इसके लिए अपने उपग्रह भेज चुके हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजंसी नासा अब तक चौदह उपग्रह भेज चुकी है। सूर्य हमारे सौरमंडल का सबसे महत्त्वपूर्ण तारा है, जो ज्वलनशील गैसों का एक पिंड है। अनेक अनुसंधानों से स्पष्ट है कि सूर्य पर होने वाली हलचलों का सीधा प्रभाव पृथ्वी पर पड़ता है। मौसम प्रभावित होता है। पिछले कुछ वर्षों से इस बात को लेकर चिंता गहराती गई है कि सूर्य का धीरे-धीरे क्षरण हो रहा है और उसकी वजह से सौरमंडल के अन्य ग्रहों की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। पृथ्वी पर बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते वायुमंडल का गैसीय संतुलन बिगड़ रहा है। अध्ययनों से पता चल सकेगा कि गंभीर चिंता का विषय बन चुके जलवायु परिवर्तन में सूर्य पर होने वाली हलचलों का कितना योगदान है। इससे भविष्य में पैदा होने वाले खतरों का आकलन भी किया जा सकेगा। आदित्य एल-1 के साथ गए अनुसंधान उपकरण अलग-अलग विषयों का अध्ययन करेंगे, जिसमें सूर्य की किरणों, सौर लपटों और चुंबकीय प्रभाव का अध्ययन महत्त्वपूर्ण होगा। एक आशंका लंबे समय से जताई जाती रही है कि अगर सूर्य से चलने वाली हवाओं की दिशा पृथ्वी की तरफ हो जाए, तो पृथ्वी की कक्षा में स्थापित तमाम उपग्रहों के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा, सूचना तकनीक का सारा संजाल नष्ट हो सकता है। इस अध्ययन से ऐसी आशंकाओं की वास्तविकता पहचानी जा सकेगी। पिछले कुछ वर्षों से पृथ्वी ग्रह को अनेक चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है। बढ़ता तापमान उनमें सबसे बड़ी चुनौती है। इसके चलते ग्लेशियर पिघल रहे हैं, फसल-चक्र पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। वर्षा चक्र असंतुलित होने के कारण हर साल दुनिया के बहुत सारे देशों को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसमें सूर्य से निकलने वाली चुंबकीय तरंगों का कितना योगदान है, यह भी आदित्य एल-1 के अध्ययनों से जाहिर हो सकेगा। इस तरह इस उपग्रह के प्रक्षेपण से न केवल कुछ और ब्रह्मांडीय रहस्यों की परतें खोलने में मदद मिलेगी बल्कि मानव सभ्यता की सुरक्षा की दिशा में भी नए सिरे से सोचने, विचार करने और सामने खड़े संकटों से पार पाने के उपाय तलाशने के रास्ते खुल सकेंगे।

कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का जगह-जगह किया स्वागत

मंत्री बनने के बाद पहली बार निवाई आगमन पर जैन समाज के लोगों ने गर्म जोशी से किया स्वागत

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का निवाई आगमन पर जैन समाज के लोगों द्वारा एवं भाजपा कार्यकर्ताओंद्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया। नेशनल हाईवे ट्रक यूनियन के पास नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी के नेतृत्व में 101 किलो की माला पहनाकर कैबिनेट मंत्री का स्वागत किया। भाजपा युवा मोर्चा द्वारा जयसिंहपुरा मोड पर स्वागत किया गया। इस दौरान युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा ढोल नगाडों के साथ जमकर आतिशबाजी की गई। इस दौरान युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओंद्वारा जय श्रीराम, भारत माता की जय के जमकर नारे लगाए गए। इसी प्रकार रिलायंस पेट्रोल पम्प के समीप जाट समाज द्वारा कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर सिरोही के पूर्व सरपंच रामेश्वर बेनीवाल, किशनलाल चौधरी, हजारीलाल चौधरी, शिवराज चौधरी, रामजीलाल चौधरी, उप प्रधान दयाराम चौधरी, रतनलाल चौधरी, रामजीवन चौधरी, कालूराम चौधरी सहित कई जाट समाज के पदाधिकारी मौजूद थे। इसी प्रकार अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वावधान में कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का राजकीय महाविद्यालय के बाहर भव्य स्वागत किया। इसी प्रकार पहाड़ी चोकी पर केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का जैन समाज द्वारा शॉल ओढ़ाकर माल्यार्पण कर सम्मान किया इस दौरान मूलचंद त्रिलोकचंद पांडया, विमल जौंला, शिखरचंद काला हुकमचंद जैन, प्रधान रामवतार लांगडी, बंटी जैन, आशु जैन, कमलचंद सोगानी, राजू मालावत विनय जैन सहित कई लोग मौजूद थे। इस दौरान भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेंद्र जयसिंहपुरा, भाजपा शहर महामंत्री करणसिंह राजावत, पार्षद नितिन छाबडा, लोकेश बैरवा, संजय वर्मा, कमलेश किराड, मोहित चंवरिया हंसराज गुर्जर, हनुमान मैदार, भंवर सिंह, जीतू विजय, वीरेंद्र गौतम, महेश भांवता, अमन सिंघल, महेश तिवाडी, सुभाष गोदारा, राजेश गोडीया सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

आदतें औकात का पता बता देती है : गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुंसी (राज.) में साधनारत गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने भक्तों को संबोधन देते हुए कहा कि - किसी इंसान के पास कितनी धन - दौलत , सुख - समृद्धि , रूतबा , इल्म , बाहुबल हैं ये सब बाहरी दिखावा है। इंसान की असलियत की पहचान उसके व्यवहार और उसकी नियत से होती है। एक खानदानी इंसान के दूसरों से व्यवहार करने का एक अलग ही तरीका होता है। गरीब का बच्चा अमीर के यहाँ भी पल - पूस जाये तो भी उसके व्यवहार में गरीबी ही झलकेगी, यह सत्य है। माताजी के उपवास के पश्चात पारणा कराने का सौभाग्य महिला मंडल चाकसू ने प्राप्त किया। विज्ञातीर्थ क्षेत्र के व्रती आश्रम के व्रतियों ने माताजी की पूजन एवं आरती करने का सौभाग्य पाया। धर्ममयी दिनचर्या में प्रातःकाल से श्री जिनसहस्त्रनाम का मंगल पाठ, सामयिक, स्वाध्याय, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान की गतिविधियों का लाभ श्रावकजन ले रहे हैं।

कुंदन चौंक में मनाया पौष बड़ा महोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया

जिले के कुदन गांव में आज नव युवाओं द्वारा पौषबडा का आयोजन गांव के मुख्य स्वतन्त्रता सेनानी चौक में किया गया । इसमें खासकर महबूब अली, भोजराज सुडा, महेश सोनी, तिरलोक सुडा, लक्ष्मीकांत सोनी व अन्य का बहुत सहयोग रहा। सबसे पहले भगवान को भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। इस मौके पर अनेक ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

एनजीओ की गतिविधियों पर नजर समय की मांग

कोई एनजीओ, जिसके पास पैसे की कमी नहीं है, अपनी मनमर्जी काम करता रहेगा, चाहे वह कानून विरुद्ध ही क्यों न हो। लेकिन ऐसा करने के पहले, वह बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारियों, जजों, प्रभावशाली नेताओं आदि को अपने ''बोर्ड या ट्रस्ट'' में शामिल कर लेगा। उनका काम कुछ खास नहीं होगा, लेकिन उन्हें मोटा वेतन देगा, जिसे ''प्रशासनिक खर्च'' कहा जाएगा। अब अगर कानून उस पर कार्यवाही करने का प्रयास करेगा, तो वह इन सेवानिवृत्त नामचीन लोगों की फौज सामने कर देगा। ''आंखों की शर्म'' और ''वरिष्ठों के सम्मान'' की दुहाई प्रत्यक्ष-परोक्ष शब्दों में दी जाएगी, और कानून मुंह ताकता रह जाएगा। फिर भी अगर बात न बनी, तो कोई छोटा-मोटा कर्मचारी सारा दोष अपने सिर पर ले लेगा और वास्तविक कर्ताधर्ता साफ बच जाएंगे। **-डॉ सत्यवान सौरभ**

अग्रवाल एलीट ग्रुप का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह संपन्न

कोटा. शाबाश इंडिया

शहर में अग्रवाल एलिट परिवारों का क्लब,अग्रवाल एलीट ग्रुप का नया वर्ष स्नेह मिलन समारोह बड़ी धूमधाम से झालावाड़ रोड स्थित एक निजी बैंक्विट हॉल में भव्य एवं शानदार तरीके एवं अच्छी व्यवस्थाओं के साथ संपन्न हुआ। अग्रवाल एलीट ग्रुप के संस्थापक निदेशक ओम जैन सर्राफ ने बताया कि नव वर्ष सेलिब्रेशन के लिए मनोनीत प्रोजेक्ट डायरेक्टर (होस्ट) नीरज अग्रवाल,राजेश गुप्ता,सुभाष गुप्ता, उमेश गर्ग,मनीष बंसल, महेंद्र मनसका,सिद्धार्थ मित्तल, विमल अग्रवाल, महावीर अग्रवाल, सभी ने कार्यक्रम अपने मैनेजमेंट से यादगार बनाकर सफल मनाया। नीरज अग्रवाल ने बताया समारोह के दौरान बॉलीवुड थीम पर आधारित अनोखी हाउजी,रैंप वॉक,डांस फन गेम्स,बॉलीवुड फोटो बूथ,एवं स्वादिष्ट भोजन का ग्रुप के सभी परिवारों ने बहुत आनंद उठाया। प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स राजेश गुप्ता एवं सिद्धार्थ मित्तल ने बताया कि नववर्ष समारोह बॉलीवुड थीम के ड्रेस कोड पर आधारित था,जिसमें सभी सदस्य बॉलीवुड थीम की ड्रेस में उपस्थित हुए। विशेष आकर्षण के रूप में ग्रुप के संस्थापक निदेशक ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ की शानदार डांस प्रस्तुति थी। प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स सुभाष गुप्ता एवं महावीर अग्रवाल ने बताया कि समारोह में कई सदस्यों को पुरस्कार वितरित किए और सभी सदस्यों ने एक दूसरे से मिलकर नए वर्ष की शुभकामनाएं दी। ग्रुप के निदेशक राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि ग्रुप की ओर से भविष्य में सामाजिक कार्य भी किए जाएंगे। सेलिब्रेशन शुरू होने से पहले महाराजा अग्रसेन की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन किया एवं ग्रुप के निदेशक राजेंद्र अग्रवाल ने स्वागत भाषण देकर कार्यक्रम को शुरू किया। समारोह के अंत में धन्यवाद भाषण,ग्रुप के संस्थापक निदेशक ओम जैन सर्राफ ने दिया। इस अवसर पर ग्रुप के छः निदेशक-ओम जैन सर्राफ,सी पी मित्तल,महेश गुप्ता,राजेश गुप्ता,संजीव बजारी, राजेंद्र अग्रवाल समारोह में उपस्थित थे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से....

सत्य मौन होकर मुस्कुरा रहा है और असत्य शब्द का, शोर मचाकर नाच रहा है...!

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर ने जब सत्य के केवल्य को पाया तो 66 दिन मौन होकर, मधुर मुस्कान से भर गये। शायद उनका मौन कह रहा था कि जो मेरे मौन को नहीं समझ पा रहा है, वह शब्दों को क्या समझेगा-? क्योंकि अन्धे को दर्पण और गंजे को कंघी देना-दिखाना व्यर्थ है। जहाँ सत्य मुखर होता है, वहाँ शब्द की यात्रा आपोआप थम सी जाती है। आप विचार करें ! जो सत्य को ना सुनना चाहते, ना देखना चाहते, ना जानना चाहते, और ना जीना चाहते हैं, उनसे शब्द की यात्रा में, सह यात्री बनकर चलना निस्सार है। क्योंकि - मौन का प्रेम, मौन का आनंद, मौन की करूणा, मौन की मित्रता सत्य के करीब और बहुत होती है। जब शब्द अधिक शोर मचाते हैं तो वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं। क्योंकि सत्य - मौन की अभिव्यक्ति है, मौन अनेक बिमारियों का इलाज है। शब्द औषधि है, तो मौन सर्वोषधि है। असत्य में - शब्दों की भीड़ है, शब्दो का बाजार है, लेकिन मौन अकेला है। सत्य जितना निडर होगा, मौन उतना प्रखर होगा इसलिए हम व्रत उपवास की लम्बी यात्रा में मौन हो जाते हैं जिससे हमें अपने व्रत उपवास और लक्ष्य का बोध बना रहे। जब हम मौन होकर एकान्त साधना करते हैं तब अपने करीब और बहुत करीब होते हैं। क्योंकि मौन स्वयं से जोड़ता है, बाहर के प्रपंच और सम्बन्धों से बचाता है। शब्दों की यात्रा, धन कमाने, यश को बढ़ाने, स्वयं की पहचान बनाने और लोगों को ठगने के लिये होती है। शब्दों की यात्रा में अनेक कारण है, लेकिन सत्य और मौन अकारण है। शोर में शिखर की ऊंचाई है, तो मौन में गहराई है, सतह है, बोध है, समझ है, विवेक बुद्धि है। हमने 557 दिन का अखण्ड मौन रखा, आप 24 घन्टे में 57 मिनट ही मौन का पालन करके अपने भीतर के शोर को सुनना, समझना और मुस्कुराना। यदि शब्द मौन से ज्यादा कीमती हो, तब दो शब्द बोलें, अन्यथा मौन रहना ही बेहतर है। अधिक कहने के बजाय थोड़ा कहने, और अधिक बताने में ही समझदारी है। हाँ और ना - यह दुनिया के सबसे प्राचीन दो शब्द है जिसे बोलने में बहुत सोचना पड़ता है... !!!

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल
औरंगाबाद।

भीलवाड़ा की कवियत्री सुनीता जागेटिया के काव्य संग्रह का दिल्ली में विमोचन

प्रथम काव्य संग्रह ''मन वीथिकाएं'' में 101 काव्य रचनाओं का संकलन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। साहित्य के क्षेत्र में उभरती भीलवाड़ा शहर की प्रतिभा सुनीता कोगटा जागेटिया के प्रथम काव्य संग्रह ''मन वीथिकाएं'' का विमोचन दिल्ली में ख्याल साहित्यिक मंच के तत्वावधान में हुआ। विमोचन करने वालों में दिल्ली की पार्षद श्रीमती पिंकी त्यागी, वरिष्ठ रचनाकार सुरेश वशिष्ट, संस्कार भारती के हरियाणा प्रान्तीय अध्यक्ष, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की सदस्य वरिष्ठ कवियत्री पुष्पा बिसेन, अरूण त्रिवेदी, महेश बिसोरिया, संजीव शुक्ल आदि साहित्य जगत के वरिष्ठजन शामिल थे। विमोचन पूरे देश से पधारे हुए साहित्य मनीषियों की साक्षी में हुआ। अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर सुनीता जागेटिया की इस पुस्तक में जीवन के विभिन्न पहलूओं पर आधारित अलग-अलग तरह की 101 काव्य रचनाओं का संकलन है। इन काव्य रचनाओं के माध्यम से पाठक के मन को छूने का प्रयास भी कवियत्री ने किया है। उन्होंने अपने जीवन में जो महसूस किया ओर जिस तरह की अनुभूतियां हुई उन्हीं भावों को शब्दों में पिरो कर अपनी काव्य रचनाओं में प्रस्तुत किया है। कवियत्री सुनीता जागेटिया ने काव्य संग्रह को अपने पति,पुत्र सहित पूरे परिवार को समर्पित करते हुए कहा कि इन सभी के सहयोग के बिना ये कार्य संभव नहीं होता। इस मौके पर उनके परिवार से पति श्री रामरतन जागेटिया, भतीजी निशिता, तेजल सहित कई परिजन भी मौजूद थे।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कीर्ति नगर के चुनाव सम्पन्न

अरुण काला "मटरू" अध्यक्ष व महामंत्री जगदीश जैन निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कीर्ति नगर, टोंक रोड़, जयपुर प्रबंध कार्यकारिणी समिति के चुनाव दिनांक 07/01/2024 को चुनाव अधिकारी महेश चाँदवाड और साथियों के सहयोग से सम्पन्न हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी महेश चाँदवाड़ ने बताया कि इस त्रिवार्षिक चुनाव में 27 उम्मीदवार थे। जिनमे से निम्नलिखित प्रत्याशी विजयी हुए:- अध्यक्ष -अरुण काला (मटरू), उपाध्यक्ष -प्रेम कुमार रांवका, महामंत्री -जगदीश जैन, मंत्री-राजकुमार जैन, सांस्कृतिक एवं कला मंत्री -राजेन्द्र कुमार पाटनी, प्रचार प्रसार मंत्री -आशीष बैद, कोषाध्यक्ष -सुरेन्द्र कुमार गोधा, सदस्य -भागचन्द जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, मनीष शाह, राजेन्द्र कुमार बजाज, नवनीत सौगानी, उम्मेदमल पांड्या रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण काला मटरू और महामंत्री जगदीश जैन ने बताया की उनकी कार्यकारिणी की प्राथमिकता समाज और मंदिर जी के विकास की रहेगी और समाज के विश्वास में खरा उतरने का प्रयास करेगी। सोमवार को नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने पदमपुरा जाकर पद्मप्रभु भगवान का आशीर्वाद लिया और उसके पश्चात अजय, विजय, गौरव छाबड़ा (गौरव इलेक्ट्रिकल परिवार) ने सम्पूर्ण कार्यकारिणी का मालयार्पण कर स्वागत किया ।

आमेर मे भगवान श्री चन्द्रप्रभ जी एवं भगवान श्री पार्श्वनाथ जी का जन्म एवं तप कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के नजदीक आमेर की सुरम्य वादियों में श्री दिगंबर जैन मंदिर नेमीनाथ (सांवला जी) आमेर परिसर में अति प्राचीन श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी स्थापित है जिसके प्रबन्धकर्ता प्रबन्धकारिणी समिति दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी है। क्षेत्र के मानद मंत्री सुभाषचन्द जैन (जौहरी) ने बताया कि रविवार दिनांक 07 जनवरी 2024 को देवाधिदेव 1008 श्री चन्द्रप्रभ एवं 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मूलनायक 1008 श्री चन्द्रप्रभ भगवान जी का अभिषेक, शान्तिधारा के उपरान्त पूजा अर्चना कर जन्म एवं तप कल्याणक के अर्घ चढ़ायें । कार्यक्रम में मानद् मन्त्री सुभाष चन्द जैन, संयुक्त मंत्री प्रदीप कुमार जैन, क्षेत्र की अन्य मन्दिरान व्यवस्था समिति के सदस्य योगेश टोडरका, प्रदीप ठोलिया सहित साधर्मी लोग उपस्थित थे।

पूर्व सरपंच स्वर्गीय हनुमान प्रसाद पुजारी की 25 वीं पुण्यतिथि पर गर्म कपड़े वितरित

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैसलाना। कस्बे में लगातार 30 से भी अधिक वर्षों तक सरपंच रहे हनुमान प्रसाद पुजारी की 25 वीं पुण्यतिथि पर जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े वितरित किए गए। पूर्व सरपंच द्वारका प्रसाद शर्मा ने बताया कि भैंसलाना में 30 से भी अधिक समय तक सरपंच रहे मेरे पिताजी की 25 वीं पुण्यतिथि पर अनाथआश्रम और हॉस्पिटल में जरूरतमंद व्यक्तियों को गर्म कपड़े वितरित किए गए वही गोशाला में गायों को हरा चारा भी खिलाया गया। इस दौरान पंकज शर्मा, कमल शर्मा, पुखराज शर्मा लखीसिंह, देवांस शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

ऐसी कौन सी चीज है जो आम तौर पर पकाई और खाई जाती है लेकिन पकानी नहीं चाहिए?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

पके फल जो अपने-आप में ही खाने योग्य व स्वादिष्ट होते हैं उनको भी लोग पका कर खाते हैं। आम, सेब, अमरूद, खीरा, अनानास सब पक गए। आम की कढ़ी, एपल , पपाया इत्यादि बहुत से ऐसे व्यंजन हैं। कुछ नया खाने की होड़ में पोषक तत्व कम हो जाते हैं पकने के दौरान। चीनी जो कि स्वास्थ्य के लिए कम खाना चाहिए, उसका भी अनावश्यक प्रयोग होता है। हितकर भोजन का अहितकर बनने की संभावना बन जाती है। पनीर, दही आदि को बिना पकाए खाना अधिक पौष्टिक होता है। लेकिन उनको भी पकाया जाता है। पोहा को छौंक कर, सब्जी, मूँगफली, नींबू, धनिया, अनार इत्यादि डाल कर खाया जाता है पर आजकल पोहा कटलेट भी खाने लगे हैं लोग। यहाँ तक कि पकी मैगी के समोसे बन रहे हैं। अब मैगी भी तैयार होने में 2 मिनट से अधिक समय लेती है। बादाम जैसी चीजों को कच्चा खाया जा सकता है। ब्रेड तो पका-पकाया मिलता है लेकिन स्वाद के लिए उसे तल कर भी खाते हैं। प्राकृतिक पोषण को इस तरह कम करके कॉलेस्ट्रॉल आदि की समस्याओं को आमंत्रित नहीं करना चाहिए। मेरे विचार से कम उम्र में महिने में एक बार या चखने के लिए इन व्यंजनों को खा सकते हैं। कच्चे फल व सलाद खाना सबसे अच्छा है। भोजन के साथ दही की लस्सी या रायता अच्छा है। स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। सड़ी-गली चीजें नुकसान करती हैं। फल जो अधिक मात्रा में हों या अधिक पक गए हों उनको पका कर जाम, आम पापड़ आदि बना सकते हैं ताकि खाद्य पदार्थ नष्ट न हो और मौसम के बाद भी उसका लुफ्त उठाया जा सके पर बिस्किट और आन्टासिड डाल कर केक बन रहे हैं? जी आपकी खुशमिजाज टिप्पणी के अनुसार भेजा(दिमाग) पकाना और खाना नहीं चाहिए पर ऐसा होता है। क्या करें बातों से पका कर दिमाग खाना एक फैट-फ्री, कॉलेस्ट्रॉल फ्री, शुन्य कैलोरी वाला हेल्थ फूड जो है। खाना पड़ता है ताकि सही दिमाग का विकास हो।

-डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान विधान सभा जयपुर

जगतपुरा मंदिर में हुआ धार्मिक पाठशाला का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

नववर्ष 2024 के पावन शुभ अवसर पर जगतपुरा के मेन मार्केट स्थित प्राचीन अतिशकारी श्री शांतिनाथ दि जैन मंदिर में हुआ धार्मिक पाठशाला का शुभारंभ जगतपुरा जैन समाज प्रबन्धकारणी सेवा समिति के प्रचार प्रसार मंत्री विनोद पापडीवाल ने अवगत करवाया कि हर घर हो धर्म की चर्चा सभी वर्गों में हो धार्मिक संस्कार इस उपदेश की मंगल भावना के साथ ब्रह्मचारिणी चंद्रप्रभा दीदी अनन्तमति दीदी के नेतृत्व में प्रत्येक रविवार को इस पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिससे जगतपुरा जैन समाज के बालक बालिकाएं एवं महिलाएं - पुरुष सभी उम्र के लोग धार्मिक पाठशाला का उत्तम लाभ प्राप्त कर रहे हैं महिला मण्डल की कोषाध्यक्ष प्रीति गोधा ने बताया अति शीघ्र हर घर हो श्री णमोकार महामंत्र प्रभु भक्ति का आयोजन किया जायेगा। पाठशाला के शुभारंभ अवसर पर प्रमुख समाजसेवीका डा उषा सेठी, महिला मण्डल अध्यक्ष सुमित्रा जैन, महिला मण्डल प्रमुख श्रीमती रेणु जैन, मंजू वैद, कुसुम छाबड़ा ने उपस्थित रहकर सभी को प्रोत्साहन किया।

वरिष्ठ पत्रकार विजय चौधरी जैन सम्मानित

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। श्रीफल फाउंडेशन परिवार ने वर्ष 2021 के लिए इंदौर नगर गौरव विजय चौधरी जैन पत्रकार को स्व. कर्पूरचंद्र कुलिश स्मृति श्रीफल पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया गया इंदौर स्थित नवग्रह जिनालय ग्रेटर बाबा परिसर में अंतमुर्खी मुनि पूज्य सागर संसघ के सानिध्य में पुरस्कार सम्मान समारोह आयोजित कार्यक्रम में विजय चौधरी जैन सम्मानित हुए इंदौर दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद इदौर श्रीफल परिवार के बहुत-बहुत आभारी है, जिन्होंने भाई चौधरी को यह पुरस्कार देकर सम्मानित किया। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, महामंत्री सुशील पांड्या मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका नरेंद्र वेद हंसमुख गांधी टीके वेद संजीव जैन संजीवनी राजेश जैन दद्दू संत कदम के राष्ट्रीय अध्यक्ष पियूष जैन एवं परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन सचिव सारिका जैन सभी पदाधिकारियों की और से उन्हें बहुत-बहुत बधाई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आगरा की धरती पर चमके शहर के युवा सितारे

भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह में उमड़ा जनसैलाब

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

नगर में त्रिकाल चौबीस शान्ति नगर की स्थापना कराकर तीर्थ का दर्जा दिलाने वाले मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ के पिच्छिका समरोह में अशोक नगर की युवा समाज सेवी संस्था श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग ने आगरा जैन समाज के आमंत्रण पर आगरा पहुंचकर संगीत के साथ भव्य प्रस्तुति दी। जैन समाज के मंत्री व युवा वर्ग के संरक्षण विजय धुर्रा ने आगरा से लौटकर बताया कि आगरा-मथुरा नेशनल हाईवे स्थित अन्तर्राष्ट्रीय लोकोदय तीर्थक्षेत्र की भूमि पर निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री गंभीरसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां से जोड़कर पिच्छिका परिवर्तन कर रहे हैं: विजय धुर्रा

कार्यक्रम का शुभारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्जवलन कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी महामंत्री नीरज जैन जिनवाणी कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार मोडया , रूपेश जैन चांदी वाले मनोज जैन पी एल बेनाडा, हीरा लाल बेनाडा, राजेश जैन बोबी के साथ अन्य भक्तों ने किया। इसके बाद राजेन्द्र जैन खेड़का पूर्व डीजीपी एस के जैन, दिल्ली विनोद छाबड़ा जयपुर के साथ बाहर से पधारे गुरुभक्तों ने मुनिश्री के चरणों का पाद प्रक्षालन किया । समरोह का संचालन करते अशोक नगर जैन जैन युवा वर्ग के संरक्षण विजय धुर्रा ने कहा कि पिच्छिका परिवर्तन संयम का समारोह है इस समारोह में आगरा नगर के जैन इतिहास के साथ ही आज भारत के चंद्रयान की सफलता को एक नाटक प्रस्तुत में हमारे वैज्ञानिकों की प्रतिभाओं को सम्मानिक समाज के रूप में रखा गया है। समारोह में संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने अपने मधुर भजनों और गीतों के साथ युवा वर्ग बालिका मण्डल सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

चंद्रयान के माध्यम से श्री सुधासागर जी महाराज की पिच्छिका आई

संगीत मय भव्य प्रस्तुति के बीच भक्तो की जय जय कार के बीच मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज जी पिच्छिका मिशन चंद्रयान में पहले राकेट प्रक्षेपण चंद्रमा के परिधी में पहुंच दक्षिणध्रुव पर सफलता उतरकर औरपिट से पिच्छिका को लेकर कमरे दारा विमोचन किया गया। नवीन पिच्छिका पन्नालाल बैनाड़ा परिवार ने भेंट की। वहीं मुनि श्री की पुरानी पिंछी का सौभाग्य श्रीमति मंजू महेंद्र छाबड़ा जयपुर ने प्राप्त की।

गम्भीर सागर जी की पिच्छिका नौका यान कर लाई गई...

वहीं भक्तो जय जय कार के वीच क्षुल्लकश्री गंभीर सागर जी महाराज की नवीन पिच्छिका आगरा के ऐतिहासिक पुरूष पंडित बनारसी दास के जीवन झांसी को पौराणिक देने के साथ ही नाव के माध्यम से नवीन पिच्छिका लाई गई। वहीं नवीन पिच्छिका भेंट करने का सौभाग्य मोहिताश जैन मंजू जैन महेश जैन सुधा जैन,संजीव जैन आगरा को प्राप्त हुआ एवं क्षुल्लकश्री की पुरानी पिंछी लेने का सौभाग्य दिनेश जैन एवं बबिता जैन परिवार वालों ने प्राप्त की। इस अवसर पर कमेटी द्वारा अशोक नगर युवा वर्ग का कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन पीएनसी, नीरज जैन जिनवाणी, निर्मल मोठ्या, पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा, राजेश सेठी, अमित जैन बॉबी, रूपेश जैन चांदी वाले, दिलीप जैन, पंकज जैन,अनिल जैन शास्त्री,रुपेश जैन,उत्तमचंद जैन, नरेंद्र जैन फर्नीचर, के.के जैन,राजेश बैनाड़ा, पंकज जैन,विवेक बैनाड़ा प्रवीन जैन नेता चक्रेश जैन,मीडिया प्रभारी,शुभम जैन ने किया।

अहिंसा धर्म के पालन जीव के लिए उपकरण है पिच्छिका: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

पिच्छिका परिवर्तन को अशोक नगर के बच्चो ने रंगारंग बना दिया

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी ने कहा पिच्छिका परिवर्तन वस्तुता पिच्छिका परिवर्तन एक नीरस कार्यक्रम को अशोक नगर के बच्चो ने सरस बना दिया ये बच्चे कई महीनों की तैयार करके यहां भावनाये लेकर आते हैं दिगंबर जैन साधु के पास तीन उपकरण के अलावा और कुछ भी नहीं होता पिच्छिका, कमंडल और शास्त्र इन तीन उपकरणों के माध्यम से ही वे अपनी जीवन भर साधना करते रहते हैं, संयमोपकरण जिसे पिच्छिका कहते हैं, यह पिच्छिका मोर पंखों से निर्मित होती है, मोर स्वतः ही इन पंखों को वर्ष में तीन बार छोड़ते हैं उन्हीं छोड़े हुए पंखों को इकट्ठा करके श्रावकगण पिच्छिका का निर्माण करते हैं, पिच्छिका के माध्यम से मुनिराज अपने संयम का पालन करते हैं जब कहीं यह उठते हैं, बैठते हैं तब उस समय जमीन एवं शरीर का पिच्छिका के माध्यम से परिमार्जन कर लेते हैं, ताकि जो आंखों से दिखाई नहीं देते ऐसे जीवों का घात न हो सके। यह पिच्छिका उस समय भी उपयोग करते हैं जब शास्त्र या कमंडल को रखना या उठाना हो। जहां शास्त्र या कमंडल रखना हो वहां

पर जमीन पर सूक्ष्म जीव रहते हैं जिन्हें हम आखों से नहीं देख सकते, तो पिच्छिका से उन जीवों का परिमार्जन कर दिया जाता है, ताकि उन्हें किसी प्रकार का कष्ट न पहुंचे। यह पिच्छिका इतनी मृदु होती है कि इसके पंख आंख के ऊपर स्पर्श किए जाएं तो वह आंखों में नहीं चुभते और जब इन पंखों में लगभग एक साल के भीतर यह मृदुता कम होने लगती है तो इस पिच्छिका को बदल लिया जाता है। इस दौरान युवा वर्ग अध्यक्ष सुलभ अखाई सचिन जैन अंकित छाया रितेश वेलई टिंकल जैन निक्की वर्तन अमित खजूरिया शुभम् जैन सहित सभी का एवं चातुर्मास कमेटी संयोजक मनोज वाकलीवाल का सम्मान कमेटी द्वारा किया गया इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने ली संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक–आमजन का भरोसा न टूटे, कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाएं : भजनलाल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि सरकार का ध्येय सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। हमारा दायित्व है कि अपने कर्तव्य को पूर्ण निष्ठा से निभाते हुए जनता के विश्वास को कायम रखें। सरकार की हर योजना का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए अधिकारी पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। शर्मा मंगलवार को उदयपुर प्रवास के दौरान संभागीय आयुक्त कार्यालय में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने संगठित अपराधों पर सख्ती से नकेल कसने के निर्देश दिए। इस दौरान शर्मा ने पुलिस महानिरीक्षक अजयपाल लांबा से संभाग में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में जानकारी ली। साथ ही संगठित अपराधों की स्थिति और पुलिस की कवायदों के बारे में फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने अभय कमाण्ड सेंटर के सुचारू संचालन तथा कैमरों के रखरखाव के निर्देश दिए।

सुशासन हमारा मूल मंत्र, अधिकारी प्रतिदिन करें कार्यों की समीक्षा

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन हमारा मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने प्रतिदिन के कार्यों की समीक्षा करें, ताकि आमजन को राहत मिले। उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग, दफ्तरों में अच्छी व्यवस्था व माहौल रखने तथा कार्यों को समयबद्ध संपादित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्येक भारतीय को समर्थ और सशक्त बनाने तथा देश को आजादी की 100वीं वर्षगांठ तक विकसित राष्ट्र की पंक्ति में खड़ा करने की संकल्पना को मूर्त रूप देने का अनुष्ठान है। इसे पूर्ण गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी इसकी सतत मॉनिटरिंग कर शिविरों में शत-प्रतिशत पात्र लोगों को केन्द्र की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की समस्याओं को सुनकर उसके त्वरित समाधान की दिशा में काम हो। ऐसी व्यवस्था बनाएं कि जमीनी स्तर पर पीड़ित को न्याय मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनजाति क्षेत्र है।